

नमः ॥ सुवनाङ्गु मासु ॥ ॥ किं नालु विनव धानां मं एउ ज्ञान
 मासु ॥ ॥ यि ॥ यनि यनासु किं सुउ यनि तनादयः नन मुए
 वलं यानि सुए ॥ यनमासु ॥ ॥ तमाङ्गु ना विवदाना दवाना
 ॥ सदाजिवः ॥ ॥ आ ॥ यन किं न किनां सुए ॥ यनमासु ॥
 सुवनाङ्गु मं वापि यावति विदहि नी ॥ डी वनी ह्या ॥ हला कोय
 सुए ॥ यनमासु ॥ ॥ सामसु या विन स ॥ ॥ या सया विन सदाजिव
 काले यमहा काल सुए ॥ यनमासु ॥ ॥ पुव ड उ पुव ड व लं ॥

दं. म. हा नो ड या न सं सा न सा ठा न। विष या द ग द ४ या न.
गो ठा दु व स मा क न॥ २५॥ निं डिया व रु ठा मा न. ह व्वा वा. भा मि सें क
ल ४ नि ना ठा य नि ना ल म्. नि ४ सा न न न व य लं॥ २६॥ मा म्पा मा.
दि ना रु ठा रु मा मि सू वी लं य हा। ना न जा नि स रु म्पु. जा य मा ना य
न पु न॥ २७॥ म पा उ न्मा न न का नि. स रु सा ध य ता ति य. वि वि अ न्य
न रु ना नि. सं सा न इ सि न उ ना द न॥ २८॥ व द ४ स क्ता म पा धी ना. ४
म्पु नि वि वि अ ति व। क्ते नि हा स य न ना नि. न थ णि ल्या न्य न क स

४॥ २९॥ ज्ज स का वा. ज्ज स का वा ४। सं व पा य य या य या ४ म पा या का
ग ठा ना थ. क य रु द्दी न थ य रु॥ ३०॥ हा यो मि सी न व न्धू नां. वि य
ग ४ सं ग मा रु थ। यि न जा वि वि अ द्दु मा न न व न थ म पा॥ ३१॥
इ र वा नि वा न रु ना नि. म पा णि य. न्य न क स। ४ या का व व न्धू नां ४
पु ण. ज्ञा न न क्ता न प रु थ॥ ३२॥ म पा धि न न थ म्पु। हां. का ४.
वि ल्म रु वि डि ल। ग व वा स मा रु ४ ४ वं. म न रु न म पा य रु॥ ३३॥
इ ४ र वा नि या न्य न का नि. वा ल यो व न ज्ज व न वा डु क व द्दी क ठा

नानिवाफातिरेमया॥३५॥मत्रतयातिदखाति यमसा गोयसा
लयःमयानानि नरु नानि, नत्रकयाननाकल ॥३६॥कुमिदि
दपनंमनां, रुसुममृगपदिनांमहिषा वृगग, वैवन्ध
न्यवांठनोकसां॥३७॥दिजाकिनांयसवैवां, दूदानांरवयातिवृ
धनिनां, मृगिया लाविःदु विद्वानां नयसिनी॥३८॥नृपानां न
परुखानां, नथान्यवां, रददिनां, गृहवृ, खांसुत्यनादववाहं
पुनःपुन॥३९॥गनामिदासनां नाथ, हत्यतां वरु, मन्म

दतिद्वत्वं वैजयलं, म्मसित्वं वगथगतवा ॥४०॥दुनंमयाह, न
म्या न्यः, रुनामयातुतिनकथ ॥दहंमसा, लो लो लो, मयादहमनकका
॥४१॥विहसाह, सुदुद्राह, कलग्ना लां, कननव, अरुकि वा ॥४२॥
कुद्वेन्य, मद्र, ओ नाननगन ॥४३॥दवनी र्यमन, यव, सावन
वृव, वृव, नविद्य नवग त्या नं, यग्राहं नगनपुहा, ॥४४॥कदाम
नत्रकवासः कदा सज्जगत्त्यता, कदामनृषाक वृ, क दानियेगत
वृव ॥४५॥जलजन्मयथावक, यनितरु निवन्धनि, याकिशा पुम

शिवे व. कदा म. ॥ ५५ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ५६ ॥ कमनः
 समाहितः अदृष्टा न भवति ॥ ५७ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ५८ ॥
 वसुधा कुम्भे मयि ॥ ५९ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ६० ॥
 यथा वाहं सूत्र ॥ ६१ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ६२ ॥
 यथा वाहं सूत्र ॥ ६३ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ६४ ॥
 यथा वाहं सूत्र ॥ ६५ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ६६ ॥
 यथा वाहं सूत्र ॥ ६७ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ६८ ॥
 यथा वाहं सूत्र ॥ ६९ ॥ यथा वाहं सूत्र ॥ ७० ॥

सुनास्मि मवं वृ, यमयिमां कजी व्या नि ॥ ५२ ॥ दठ त्वार्नयमासाद्यं न
 रुयं मस्ति कृतविन् । जीवितमत्र ॥ ५३ ॥ जीवितमत्र ॥ ५४ ॥
 यतु त्वा वि विठद्वे, नार्थयति नरा अमा ॥ सुगति मुकथं तेषां हव
 समागमा ग नान् ॥ ५५ ॥ किं तेषां कृ न शा लन, विद्यया जीवितनय यथा
 न जायते ह कि, जीवितान्निक शिव ॥ ५६ ॥ युक्तित्वां सुमिया पा य
 त्वा नि लुक्तिमाहित ॥ यतन्ति नत्र कथा न, जयिमाना पुनर्युन
 ॥ ५७ ॥ ननवा निष्कृतिरुस्य, विद्युत ननका लू कान् यिद्वयतिद्व

दृष्टो दवत्वा यन्वाधमा ॥ १५ ॥ कुरु कुरु रवकु नमः समकस्मातिव
 ल्यनातानुनरुहन्तकि, ल्यथा वा सुदृढा मम ॥ १६ ॥ आना ध्यात्वा नमः
 देव्या, सना ध्यात्वा नमः मम। अवा यः यन्मांसि हि कृत्वा दवन्तय
 कयन् ॥ १७ ॥ नमः कुरुवन्ति व द्वा ध्यात्वा मुं ल्यां हि दम हन्तकय
 मानव्य वृद्धा दं सोमिः स्त्र्यां युक्तमि पुत्र ॥ १८ ॥ यथा च ह्यनरुवि
 नमः सुतासि मया युता। ननु सत्त्वा यन्वा धमा यदि नासि
 सिद्धयामयी ॥ १९ ॥ कुरु यन्वा ध्यात्वा दवन्तय नमः कुरु वन्ति सत्त्वा

उ ३

वं शन स्यात्पुसीददवन्तय, रुक्मि हं सत्त्वा भिता ॥ २० ॥ सु
 नासि दम मया दवन्तय रुक्मि रावन्तय सत्त्वा, सा मम सुवन्तय सत्त्वा, वा सुदवन्तय
 मासु न ॥ २१ ॥ वृद्धा वा यन्वा ध्यात्वा नमः सुवन्तय दवन्तय, पुसत्त्वा गवन्तय
 शदवन्तय सत्त्वा नमः ध्यात्वा सत्त्वा यन्वा ध्यात्वा सत्त्वा ॥ २२ ॥ यदं सत्त्वा यन्वा
 दवन्तय, पुसत्त्वा हं सोमि मानव, सोमि सत्त्वा नमः सत्त्वा नमः सत्त्वा नमः
 सत्त्वा नमः ॥ २३ ॥ शान्ति सत्त्वा यन्वा ध्यात्वा सत्त्वा, सिद्धं सत्त्वा नमः सत्त्वा
 धमा सत्त्वा यन्वा ध्यात्वा सत्त्वा, सत्त्वा नमः सत्त्वा नमः ॥ २४ ॥ यथा सत्त्वा

या द्वा वि (६) अथ यद्वा समादि तं ॥ सत्रा कं स ष्व नं यन्ति विष्णु
 निष्ठा नक ल्य षा ॥ ७५ ॥ धनं या य रुज (६) वं तु कि म् किं पुद
 लितं गच्छ सु दु स्तरं पृथं नदयं ज स्य के स्य चित् ॥ ७६ ॥ न
 नास्ति काय मुर्याय कृ न ध्या य मा नित नद कृ म न ये द द्या त्मा
 रु काय क दा व न ॥ ७७ ॥ दा न द्य रु कि य का य शु ल षा
 ला मि ना य रु विष्णु रु काय ष म का य शु ल षा न रु न षा
 लित ॥ ७८ ॥ किं दं स म सा द्य वि ना षा रु तु काय ल्य स रु

स ख मा रु द क्षा नृ (६) रा ख वा रु रु ल दं व ति रुं का नं म
 या कं य नृ वा रु म स्य ॥ ७९ ॥ य न स रु रु वि न ला स नार
 ध्या य नि नि रा य नृ व य नालं न म् किं रा रु व वि षा नि
 रु षू म नृ य था रु रु न म षा रा रु ॥ ८० ॥ नृ क स द द्या
 रु व रु ख रु नि य नं य न वान न ना सि वा रु मु सा स या वा
 स रु नी रा रु क रु वि षू स म सा रि ल सा ल रु ना षा न ना वि रु
 या वा न्य रु रु षा ष्व न रा न् य रु रु रु दान रु रु रु रु रु रु

यः
 (७) ॥ यः खानरुकिरेवनीरुकुषु, उठागुनीमाकुरुषयुद
 व॥ १॥ ॥ लाकगधंत्यः सुगुविः तद्विमान, सर्वस्तथाहि
 सुगुलेवे विदुः ॥ २॥ ॥ नादागासु सत्यवठका, यस्यान्तिरु
 किपून्वाहमाख्य ॥ ३॥ ॥ व्यादियुक्तायुजा, ॥ ४॥ ॥ सर्वयुक्ति
 विसृष्टादवायु ॥ ५॥ ॥ सवसमाय ॥ ६॥ ॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥ १०१॥ ॥ १०२॥ ॥ १०३॥ ॥ १०४॥ ॥ १०५॥ ॥ १०६॥ ॥ १०७॥ ॥ १०८॥ ॥ १०९॥ ॥ ११०॥ ॥ १११॥ ॥ ११२॥ ॥ ११३॥ ॥ ११४॥ ॥ ११५॥ ॥ ११६॥ ॥ ११७॥ ॥ ११८॥ ॥ ११९॥ ॥ १२०॥ ॥ १२१॥ ॥ १२२॥ ॥ १२३॥ ॥ १२४॥ ॥ १२५॥ ॥ १२६॥ ॥ १२७॥ ॥ १२८॥ ॥ १२९॥ ॥ १३०॥ ॥ १३१॥ ॥ १३२॥ ॥ १३३॥ ॥ १३४॥ ॥ १३५॥ ॥ १३६॥ ॥ १३७॥ ॥ १३८॥ ॥ १३९॥ ॥ १४०॥ ॥ १४१॥ ॥ १४२॥ ॥ १४३॥ ॥ १४४॥ ॥ १४५॥ ॥ १४६॥ ॥ १४७॥ ॥ १४८॥ ॥ १४९॥ ॥ १५०॥ ॥ १५१॥ ॥ १५२॥ ॥ १५३॥ ॥ १५४॥ ॥ १५५॥ ॥ १५६॥ ॥ १५७॥ ॥ १५८॥ ॥ १५९॥ ॥ १६०॥ ॥ १६१॥ ॥ १६२॥ ॥ १६३॥ ॥ १६४॥ ॥ १६५॥ ॥ १६६॥ ॥ १६७॥ ॥ १६८॥ ॥ १६९॥ ॥ १७०॥ ॥ १७१॥ ॥ १७२॥ ॥ १७३॥ ॥ १७४॥ ॥ १७५॥ ॥ १७६॥ ॥ १७७॥ ॥ १७८॥ ॥ १७९॥ ॥ १८०॥ ॥ १८१॥ ॥ १८२॥ ॥ १८३॥ ॥ १८४॥ ॥ १८५॥ ॥ १८६॥ ॥ १८७॥ ॥ १८८॥ ॥ १८९॥ ॥ १९०॥ ॥ १९१॥ ॥ १९२॥ ॥ १९३॥ ॥ १९४॥ ॥ १९५॥ ॥ १९६॥ ॥ १९७॥ ॥ १९८॥ ॥ १९९॥ ॥ २००॥ ॥ २०१॥ ॥ २०२॥ ॥ २०३॥ ॥ २०४॥ ॥ २०५॥ ॥ २०६॥ ॥ २०७॥ ॥ २०८॥ ॥ २०९॥ ॥ २१०॥ ॥ २११॥ ॥ २१२॥ ॥ २१३॥ ॥ २१४॥ ॥ २१५॥ ॥ २१६॥ ॥ २१७॥ ॥ २१८॥ ॥ २१९॥ ॥ २२०॥ ॥ २२१॥ ॥ २२२॥ ॥ २२३॥ ॥ २२४॥ ॥ २२५॥ ॥ २२६॥ ॥ २२७॥ ॥ २२८॥ ॥ २२९॥ ॥ २३०॥ ॥ २३१॥ ॥ २३२॥ ॥ २३३॥ ॥ २३४॥ ॥ २३५॥ ॥ २३६॥ ॥ २३७॥ ॥ २३८॥ ॥ २३९॥ ॥ २४०॥ ॥ २४१॥ ॥ २४२॥ ॥ २४३॥ ॥ २४४॥ ॥ २४५॥ ॥ २४६॥ ॥ २४७॥ ॥ २४८॥ ॥ २४९॥ ॥ २५०॥ ॥ २५१॥ ॥ २५२॥ ॥ २५३॥ ॥ २५४॥ ॥ २५५॥ ॥ २५६॥ ॥ २५७॥ ॥ २५८॥ ॥ २५९॥ ॥ २६०॥ ॥ २६१॥ ॥ २६२॥ ॥ २६३॥ ॥ २६४॥ ॥ २६५॥ ॥ २६६॥ ॥ २६७॥ ॥ २६८॥ ॥ २६९॥ ॥ २७०॥ ॥ २७१॥ ॥ २७२॥ ॥ २७३॥ ॥ २७४॥ ॥ २७५॥ ॥ २७६॥ ॥ २७७॥ ॥ २७८॥ ॥ २७९॥ ॥ २८०॥ ॥ २८१॥ ॥ २८२॥ ॥ २८३॥ ॥ २८४॥ ॥ २८५॥ ॥ २८६॥ ॥ २८७॥ ॥ २८८॥ ॥ २८९॥ ॥ २९०॥ ॥ २९१॥ ॥ २९२॥ ॥ २९३॥ ॥ २९४॥ ॥ २९५॥ ॥ २९६॥ ॥ २९७॥ ॥ २९८॥ ॥ २९९॥ ॥ ३००॥ ॥ ३०१॥ ॥ ३०२॥ ॥ ३०३॥ ॥ ३०४॥ ॥ ३०५॥ ॥ ३०६॥ ॥ ३०७॥ ॥ ३०८॥ ॥ ३०९॥ ॥ ३१०॥ ॥ ३११॥ ॥ ३१२॥ ॥ ३१३॥ ॥ ३१४॥ ॥ ३१५॥ ॥ ३१६॥ ॥ ३१७॥ ॥ ३१८॥ ॥ ३१९॥ ॥ ३२०॥ ॥ ३२१॥ ॥ ३२२॥ ॥ ३२३॥ ॥ ३२४॥ ॥ ३२५॥ ॥ ३२६॥ ॥ ३२७॥ ॥ ३२८॥ ॥ ३२९॥ ॥ ३३०॥ ॥ ३३१॥ ॥ ३३२॥ ॥ ३३३॥ ॥ ३३४॥ ॥ ३३५॥ ॥ ३३६॥ ॥ ३३७॥ ॥ ३३८॥ ॥ ३३९॥ ॥ ३४०॥ ॥ ३४१॥ ॥ ३४२॥ ॥ ३४३॥ ॥ ३४४॥ ॥ ३४५॥ ॥

नं३
 रुद्रि यमाह त्रिनता अस्मि यता अस्मि तना ऊ य ॥ ॥ गता सत्य
 दता अना अना लक्ष्मी न वा सया पूव गता लक्ष्मी न वा सया न अना
 ग्राह्य न वा सया गता ग्राह्य न वा सया न अना अस्मि न वरु
 ल यन गता अस्मि न वरु न यन अना ज सय क शन ॥ ॥ थ थ
 ध कं अस्मि व लक्ष्मी व ना दा खं थ सदा पां अस्मि न लक्ष्मी पा क द
 दा खं ॥ ॥ काल लक्ष्मी सदा स मस्तु ॥ म नू वा यति गुलि वि नं न वसा
 गुलि वि नं ना स न शनं वृ ग थ हा ना श ॥ लं ध कं अस्मि न लक्ष्मी
 १ न

मकददा, चसल द्वाी न ब्राह्मदतं ॥ हा धर्मद दन क लकं न
 ब्रामी यखं ॥ तु लिङ्गि नं अयस, दि, जान, खयिल, या, रि, उय,
 धन, तव मिसा ज नया क, क थ था य स ज दान मयया ॥ रु नं दू न सा
 नमद, द्वा ल सा नम, वा स पृ क, आरु मा रं द, अ ति नि ष्व न ष्वा
 धयलि, रवा लमसि स्यं नव, क थ अन, अ ति क वत, नय, ता न सखा
 नकानं, मखा नकानं, थमय कान न क कान ययव द्वा, थ थि द था य
 स ज दान मयया ॥ रु नं क म वा द थयस, दि, थ २ का ति य नि मानन

५ इ

दगा रु न सतं, तव मिसा ज व, थ थ थ कं ल द्वाी न, धर्म कं दारवं
 न, धर्म ल द्वाी स म्मा द पु थ मा धाय स मा क ॥ रु नं धर्म न ल
 द्वाी या क द दा, हा ल द्वाी, ग थि द था य स दू वा स या य ॥ ल द्वा
 न धा तं, हा धर्म ज न कान द द, थ थि ष्व था य स ज क वा स या य ॥
 थ व पु नू ख या क क य त म या क म व पु नू व या रवा ल म सा क, स द
 द व व न हि द, उ क, थ व पु नू व र वं दान स न्तु दू, इ व, क थ ल
 सा न ना क द, द्वा, हा ला क ला न य आ दि नं स स स, रि न कं न व

धधिंठ धयसज नवासयाय रु या ॥ रुनं. रुवमु. नयवमु. रुल
सनं. धम नयावमु. यनूषया ना न नकं नव. वाय यक्षाव. धधिंठ
मिसाज न. कुकुमाया नसा. ज नवासयाय. अ नवासम्यहि नाय
वरु नं धवपुनूष नागसनं. नमम वाव. ध धयसज नवासयाय
धकी. ल. य्मी न धर्म कंदो ॥ १०० ति धर्म ल य्मी स सा दिति या ॥ ॥
यसमाय ॥ ७ ॥ धनलि. ल य्मी न धर्म या कंदो ॥ अदं मि कु
मि न धर्म. क धम का सना रुविं ॥ या यय ल्ध विव का ना. वदम कस

हा सन ॥ हा धर्म उ नरु क रु नाद नरु क्काद व. रु लया लसन
यायय ल्ध विवा लकं नमा ल ध कं. ल य्मी न धर्म या कंदो दारवं ॥
धर्म न आ द्वाद न. हा ल य्मी द क न. ज न कं न ॥ ८० धि न मिसा जर्म
इयाव. धवपुनूष का धनसा यायाय न. द्वास ति कंद ल रवा लशनं
वि काद वि काद. सा यायाय न. या लि निरु लं. यनूष या व व न म द का
यायाय नरु सि निरु नं ॥ ध व य नूष व उ न न न नादा यायाय न
आ लि रु नं ॥ न का न न श का सा क हि द न या या याय न. धू सा हा व वि

वाङ्मनं ॥ यथैव नृषामनकसमवया, यनूषनक, मवया यनूषव
रव लजया यायायन, वलवाल, लोठामदन ॥ मकाइ ४ रवस्यं कनं, नि
धमकाइ ४ रवस्यं सिनं ॥ यनन यथैव नृषाक, रुधनरुका यायम
ल, मवायायमान, दिनकं ववका लयायमान ॥ ॥ दिनं धर्मन लक्ष्मीकंद
होलक्ष्मीकंद, म्नीयाकनकाव, धर्मयाय, कर्मयाय वनयायमन
मख, यथैव नृषाक, रुका याय, मवायाय, दिनकं ववका लयायमान

या यः, पुनूष नयनाळावरीन, थथेयानसा, उयासनवादान, थ
न धर्मज्ञानं, थन थनयत्रिमातयाकमिसा, दवक ल्यधि, सुववासज्ञानं
थन नखातदिळात, आसयानकायमिसा, ऊमेश यायागुनथना
वझानिज्ञयाव, सनूषा ऊमेश याव, थवयूषविनातिसद, थवपुनूष
याकसवायायमान ॥ रुत धमेनल व्हीकंदा, यवजतास (ग) व्हीम
नूषान, थव व्हीमवमावामल वियस, मिनाहिनातनियकाव, लज
नकावासांवगयिदासमकास्यंकन्यादानविव व्ही, दवक ल्यधि, सु

ॐ स्वास्तु शल। अथ कं तिलिपु या लनकाव ॥ सा बुद्धि ल ॥ क न्यादान
१००॥ अथ दान पादावेउ तिये ल ॥ अथ कं तिलिनक नवयु ल ॥ अथ कं
॥ मस्तनन तिलिया के नयम के व ॥ काये मय य के नय स किम न द ॥ सा
यमाने व ॥ अथ जि दाम काय म नव ॥ काल सा कि ॥ लया के साय माय ॥ ॥
ॐ ति ध म न ल श्री सादा द व नु ॥ अथ य स मा फ ॥ ७ ॥ ॥
ॐ ना ध म न ल श्री कं का ॥ हो ल श्री ॥ द द न ॥ तु ल या ल स न ॥ य
वृज न स या दा या य न ॥ अथ लि क न स के नि व ॥ सि क न व नु व

या या या य न ॥ क क न वि पिठ ॥ न्या व नु व या या या य ॥ अथ कं तिल ॥ क
॥ व नु व या या या य न ॥ रघा स क न ॥ क या न ॥ अथ या या या य न ॥ ७ ॥
य व न ॥ अथ नि न्द्रा या दा या या य न ॥ ना ठ न नु क ल ॥ स रू लि
व या या या य न ॥ अ ल क ल ॥ अ ने व नु व या या या य न ॥ द नि ड क ल ॥
कं ज मि या क का म या दा या य न या य न ॥ अ या न क न ॥ अ का ल म रू
क न ॥ म व या द व मा व का या या य न ॥ नि सा ना न क न ॥ ॥ ॥ नि व न
ल श्री सादा द व नु ॥ अथ य स मा फ ॥ ॥ व क्का य न क न न ॥ व

न्रियमिना ॥ वृद्धा ७७ रु ८७ द ल ॥ विष्णु यो न द ७७ ॥ वगात्र ॥ गुरु
 न ॥ गङ्गा फ म हा सू क ट ॥ नृडा य न क या ल पा नि वृ ढ क ॥ हि न्द्रा न्त
 का मि त ॥ ॥ स यो गु म्प नि ॥ दि श्वि रा ग श ७ ८ ॥ त स्म न म ७ क म्प ८ ॥
 ॥ ॥ ७ ॥ थ न न म नू अ या क म्प वि त्त न दू नं म द ॥ ग ८ थ न ७
 ल सा ॥ वृ ष्णा न म्प म क या ॥ स मा ल ७ ८ वि या रं ॥ मा ठ म दि स्यं क
 म्प या दान ७ ८ वि या न ॥ द नो वि षु स्य न ॥ द ७ ७ अ व ता ल का
 ल श न ॥ स द्वा का लं ग र व म या द दै वि स्यं श लं ॥ आ व म दि स्यं

म हा मं क न न स्य ॥ रु नं ७ ७ म हा द व न दि शं रि ल ज या व हि द्वा र
 दा व श लं ॥ क म्प या दान ॥ रु नो म्प य नं आ का ७ ७ ग ७ म न यं ७
 लं ॥ स म ल य व न दा स्यं श लं ॥ क म्प या दान ॥ थ न न क न क म्प
 यानं स म स्का ल या दान ॥ ॥ ॥ ७ ७ रु म नु स व द ॥ ॥
 ७ ७ न न स म स ७ म हा स म्प ७ म नं स मा म्प ७ व वा ल द व
 ७ ७ न न नू यी वि न या क न स्य ७ ७ न न नू यी य न मा त म स ७ ॥

१ नमः शिवाय ॥ अमुनिवरागु विभन ॥ नमस्तु विष्णुनाथ
यः सौमानसुष्टि दत्तव कुमतां नृवि लोतुत्यं कुनुतां यनम
मना ॥ विष्णुनाथ यनम श्वनः यातेनमस्का लः गविंदसदा
गिठ धलसा समस्तु गतां सौसाज दय कवः समस्तु या यनमा
त्मा सुत्रय थधिंद सदा गिवनमस्का लः थशले ॥ ॥ किला
सयवनेन सविष्ठा क माहादवः गविं किला सयवनेन त्रु न गः स
व लुं सः अलं काल यादा वयाद नत्त वेदये यद्यजगः मन

कनः प्रलसूतः अनक सुव लुं नः अनक सुव लुं नः अलं काल
यादयाद थधिंद सुव लुं नत्त आदिन साहा शव थधिंद के
ला सयवनेन विष्ठा लः श्री माहादव सकः श्री यावनेतीन यिना
पयाद ॥ ॥ श्री यावनेती उवाच ॥ सा महादव सः वरुन ज्ञाया
नः कर्म या ज्ञान मनत सा न यातः वृत्तया लः वृयादान लुद
दः थरुं कुमादा वयस नृकु सन थकं यिनाया थरुं ददाव
महादवन के का ॥ श्री माहादव वयाव ॥ सा यावनेती वृनस

यथाजि वरुं कुनका नदद. सुतान. निवनागु कु. नम
यादाव. जागानोवाना. जादुंता कुनदयायाय. धधमेयाक
नकु. सुनयादाव. हिंता. सुतमियाव. नमनरादि
व. त्रुंरुकायाय. सानि. कु. सुनयादाव. उवगासयाय.
मदाजि वरुं. जागानोयादाव. महादव. पूजायाय. सा
न. इ. ध. लि. ध. ल. क. सि. साखल. ध. तन. सुनयावक.
प. ध. ध. ध. न. सुनयावक. अनकयका. न. क. व. न. क. सु
न. य.

मि. क. ध. ली. कु. ध. लि. न. ध. य. याय. ध. धि. द. व. सु. न. पू. जाया
दाव. जागानोयाय. नि. र. य. जी. न. रा. य. ध. याव. ध. ध. ध. क. जाया
दाव. य. व. र. ल. पू. जायाय. या. ल. प. न. क. याय. म. ता. वि. य. ध. ध.
विय. जागानोयाय. सानि. कु. सु. न. या. दाव. या. न. याय.
नमनरात. ध. ध. य. न. सा. कु. स. ना. ख. क. य. ध. क. क. दा. ध.
र. व. दा. व. या. व. नी. न. श्री. मा. दा. द. व. स. क. यि. ना. य. या. दा. ध.
श्री. या. व. ध. ध. ध. ध. ध. श्री. मा. दा. द. व. स. ध. ल. या. ल. स. क. या.

न. निवनागुया. वि. क्षानदन. अ. ना. ज्ञाठ. ध्यामहिमा. रं. काद
नयुसन्नयुयमाल. अ. कं. पिनाययादा. ॥ धनामहादेव. न. कं. दा. ॥
मी. म. हा. न. उ. वा. रा. ॥ हा. या. वे. नि. ऊ. न. का. न. द. द. ॥ द. म. दि. न. ल. वा.
ना. त. सी. न. ग. न. स. मृ. ग. नि. ध्या. या. स. व. न. द. द. ॥ ध्या. स. व. न. या. नू. य.
दा. कू. ॥ ध्या. त्रि. न. ग. वा. ॥ जा. वि. कु. नि. अ. द. ॥ दू. कू. म. ठ. अ. द. ॥ सं. सि. यः
जा. क. म. न. मि. र. वा. नि. यू. ॥ थ. धिं. म. ग. व. ल. ॥ ध्या. या. या. ल. स. दा. दि. अ. द.
ल. व. न. ॥ व. ला. ॥ हा. ना. दा. व. का. ल. सा. ॥ ध्या. नू. गं. उ. म. स. ॥ थ. धिं. ग्या. ॥

य
ला. दा. व. ला. क. का. न. अ. अ. अ. ग. या. दा. व. रा. द. का. य. ध्या. का. य. ध्या. का. या.
या. म. ल. या. ठ. न. व. ॥ ध्या. स. व. ल. या. ॥ ध्या. ना. दि. म. दू. ॥ अ. ना. दि. म. दू. स. दा.
द. ॥ अ. द. ल. या. या. ल. ॥ ध्या. स. व. ल. न. ॥ दू. ध्या. न. ता. ॥ ध्या. न. का. व. ॥ व. ला. सा.
ला. व. ॥ व. ला. ध्या. न. दा. व. ॥ य. ध्या. व. ला. न. कि. ॥ भा. रा. क. रु. ठ. ॥ ध्या. व. ला. न.
दू. जि. न. भा. रा. क. रु. ठ. ॥ स. ध्या. व. ला. न. गं. उ. म. स. ॥ भा. रा. क. रु. ठ. ॥ न. ध्या. व.
ला. न. ॥ हा. अ. दि. न. ॥ भा. रा. क. रु. ठ. ॥ ध्या. व. ला. न. रु. ला. भा. रा. क. रु. ठ.
॥ हा. अ. दि. न. ॥ अ. न. क. यं. कि. ॥ ध्या. क. रु. ल्या. र. ॥ थ. धि. द. य. न. क.

मासवत् ॥ वृद्धयादि नमः ॥ इति मन्त्रानां अष्टावत् नमः ॥ अष्टावत्
 वं वृद्धयादि ॥ गच्छिष्यते वन आलसा व मयसि ॥ थसि ॥ कुसि ॥ नववृद्ध ॥ सी
 वेत्तं गतसि ॥ अष्टवत्सि ॥ गमयसि ॥ नमिष्ठा तसि ॥ रुसि ॥ दवदा
 लसि ॥ त्यनसा तसि ॥ नमा तसि ॥ दंता तसि ॥ अष्टवत्सि ॥ थियास
 वसि ॥ यत्तावसि ॥ खय तसि ॥ थथिं ग ॥ मलाव न ॥ वृद्धनसाका
 पाकावराट ॥ थवनस ॥ यवूली दव ॥ थयूवूलीस ॥ अतक नो गद
 स ॥ वृद्धवाकन ॥ गमरायाका वराट ॥ कोकिल ॥ श्री सुवानसा

रायाका वराट ॥ थथिं वनस ॥ वृद्धयादि नमः ॥ थसवत् ॥ लिठलाका
 काव ॥ शिवाकाकाव अष्टवत् ॥ शिवानक वानक नवा न ॥ थः
 थ ॥ वनमसलयाव ॥ आयाव ॥ देवयाके तान ॥ ला आदि न वनव
 लावृद्ध लायमरुयाव ॥ थमृगमनि आया ॥ सवत्तन ॥ थितकलया
 थतिदिनमरिद रवम ॥ अतक ॥ वनदलान ॥ वलावृद्ध लायमतिव
 मवमवदिनमरिद लसा ॥ वनदला लायदया ॥ थतन ॥ थतिपादि वनः
 आ ॥ अज ॥ सविद वृद्ध ॥ थवनसं वासपाकाव ॥ कनसतं वत् ॥ वनवत्

मन्त्रकाव, वृत्त, यति सू यो अस्मिन् ॥ वृत्त, लारवं नमदना
ग, च वृत्त, यतन, च वृत्तसंवा सपाय, मि पृष्ठ, अदि न यत त्या क
व, आसायाय, ऊपूरुवन, ऊववृत्त, ला दे ल ला वृत्त, आत्मा व
फियाय अकं वा निव, च व ल स क न, ला का वा व व न मरु ग द
वडा पतिस्, तिजा सा क या व रु मि स प द ल यि व, च व ल स क न रु
काय ॥ ॥ च तन, यतिया, च व न सं वा य य अ कं, वि न ल वा व, सि
मा स वा स पाय अ कं, सि मा स ल क न, उ ल स पृष्ठ, लि या स मी प स

या ल नि मा र वा ड ॥ ॥ च वा ल सि मा या का स, नि वि लिं ग वृत्त
लि द वा ॥ च नि मा र वा ड वा, म हा ज्ञान नु श व, च सि मा स वा स पा
य, लं र व न सं, क का अ कं, वि न ल य ॥ च क दू नि व जा नु ॥ च च र
ल पा व, सि मा थ र व न ॥ च च, सि मा थ य व, च स व ल पा तु न न न
ला व, वा ल रु ल का ता वा व, नि व लिं ग स क न, च त न, नि व क जा
पा, या वा रु ल ला न ॥ च नं लि, च स व ल न, लि ल म न, व ला दा पा व
क ल स व य क म, नि मा स वा न ॥ च च, जा ति रुं दा व, त व न, नि मा न, क हा

बलदास्यः बलाकाताकाव बलामालकल, लाहादुगुलिरवाकाव
धलाहा, निरूपयायधक, लेखन, मलावमाके, निरूपयायमरु.
सरुयाव, धववासेवाक, धवलस, मी, युरुआदिन, लाजाकाव, मउरव
काव, अलं॥ रुयुहा, रुयिना, कनिधनि, लाजाकाव, मवया, जेनमद
तकावगाध, युल, धललया, धननवयुकात्रन, कयनिसा, जेनमद
मीला॥ ॥ नरुकाउवाया॥ ला मी, लायुग, कयनिसा, जेनमदतसाज
नविनायाकाव, विर, धक, अयाव, रुतसर्वकाव, कावुन, रुवि

काव, मीयुगुयात, जेनमदविवा॥ ॥ धनलि, मृगमपि अयासवल, जागनपी
याव, मृगुलं॥ धवलस, मलादवन, धठद्वन, ज्ञादगविवावकांलं, रुदू.
ऊकरुकिशवका, मृगमपि अयासवल, विमानसर्धकाव, जेनमद
मदयमालधकंदाका, धना, निवदूतन, विमानजाकाव, धसवलया
समीपसुवनं, धवलस, निवदूतन, सवलदासं, लायाध, रुनयाका
कमन, रुलाकयाधकल, मलायवसं, लागुला, धनन, विनमद
काव, रुगुमद, निधकंलाका॥ धवलस, मलारुयकनयाकाव, जेन

दूतवयस, धमला हा या विनिवदूति आमायाय, सवन लुप, सवर्ज्य
नगादो = कुमनागास आकान, नजकयन, जयनी पनका लवया, थ
गिनक यनिधन गालद मोल, ऊ य निमन, ऊ मयु नियन धक धमल ॥
थना निवदूत न धमला हा या धिऊ मरुत, कय निमन, ऊ मयु नियन मदत, ॥ थस
वलपु न आत्मा, सुसुगस आकान, सवर्ज्य धर्ग, धक दाव ऊ मरुत का ध
लपार धमल, आमाया विमवल, ऊ न सवर्ज्य यनद धि व, धक, जानक
॥ धना, निवदूत, का धत पाव, ऊ मरुत दा पाव, ठु लऊन सुसलन, ल
उत, थप्य दा पाव ऊ मरुत मरुत दा वि, थ सवर्ज्य क ला ॥ थ व ल सु नि व

न, धमान थ दाव सवर्ज्य यन ॥ थल लिंक मरुत न, थयं समरुत ऊ मरुत
थना ऊ मरुत, ऊ मरुत पाव महादव सक दा दाव, का थ जा जल
किनु पा दा वि ना य पाव, हा ज ला क ना थ क लया ल सु मरुत न ल
न ना क या दा, आव धमो धमो, विवा ल या य म द नो ॥ धम द य क वं क ल
त, पाय मा व क वं क ल या त, धन न, क ल या ल, अ पु स न म म व, ऊ न
ल सा, थ पा या ल मा म व ल, क ल या ल, आ कान, सवर्ज्य रु व थ रू रु नि स
ला क, धकं यि ना य या दा ॥ थ क दा व, महादव स, आ दा डा वि ला ॥ क र
न उ वां गा ना ऊ मरुत, विवा न म द न व क, थ व ल, पा ना म र व, थ न

सू।

यस्य लक्ष्मीं कथं ददति अन्ता देना ॥ कृष्ण न्यायाकारं वेनद आदि
न, उवाचाणां रुनेना गतिणि मगवतम उवाच कृष्ण न्यायाकार
न्यायाणां रुनेना मगवतम गतिनि मगवतम उवाच कृष्ण न्यायाकार
पाठक रुनेना मगवतम गतिनि मगवतम उवाच कृष्ण न्यायाकार
मगवतम गतिनि मगवतम उवाच कृष्ण न्यायाकार
मगवतम गतिनि मगवतम उवाच कृष्ण न्यायाकार
मगवतम गतिनि मगवतम उवाच कृष्ण न्यायाकार

आर्य समाज
ASAM ARCHIVES

911

दानदानयादान सुना किमी सा मंहा उचनभभन त थ वि
अन्नदानयादान ना अथ नीव दहा नमया नाय क रुपिव
कं अई नरु पुन कं का ॥ अई के न वाव ॥ के न पाप फी मृष्ट
के न पाप पुन नासनं के न पाप रु वही रु क थं कं सा रु ना दे न
दुयापया दान फी मृष्ट रु लं कु पाप या दान पुन ना स रु न
कु पाप या दान म न स रु रु न अई न न ग रु यो कं कं का ॥ ॥

गो रु ग वा न वाव ॥ ली न पाप रु व अ फी स्तान पाप पुन नासनं
म न रु गो रु व ही रु म न रु पा न रु न रु न ॥ पु रु रु म म नी न न
के न मी पा स के न कं रु रि वा स्तान पाप न पुन ना स रु न म
न कं मा व या ना क रु रि वा पाप न पु रि रु न ॥ थ थ थ कं रु रु न
अई न कं का ॥ अई न रु वाव ॥ के न पु न्य वि रि रु स के न पु
थ म पा रु कं के न पु न्य म रु रु रु क थं कं सा रु ना दे न ॥ अ

कृतननधायारुहप्र कृष्णननद्रुपवक्तुशना॥ कृष्णननसूपात
शना॥ कृतनं माहारासुखि माहारागी कृष्णानिमिषि नशना धर्कः
अकृतननकडा॥ गीरुगवानुवाच॥ मिस्त्रा दातं विविगुष्टा लभ
दातीसपातुक्तं॥ सस्त्रादातं सदाहा ग्यं सुतहापातु नन्य नमेम
सुपयार्थदातविधानविधिगु रूपकृतं सदानविद्यायैधनसूपातु
सुवंगशुपित लिवा रवाग दातविधान मस्त्राहागी शनं॥ थथधर्क

कृष्णन अकृतकडा॥ अकृतकडावा॥ कृतपापनत्रकं ज्ञानिकेत
पापअपुगुक्तं कृतपापसदागामी कथंरुवकि कृतार्दन॥ कृष्ण
पननत्रकवानीव॥ कृष्णपनपुगुतासुशनं कृष्णपनसदागामी शनं
दानं थथधर्क अकृतननकृष्णयार्थकडा॥ गीरुगवानुवाच॥ कृत्या
दातनत्रकं बुद्धदाहा अपुगुक्तं दवनिद्रारुवतागी सुतहापातु
नन्यन॥ १०॥ कृत्यायानसुतहातनत्रक समवातिव बुद्धतयार्थ

धाहामादा न, यगु तासु कर्तुं यदति लाया का पापनसदां नागा
 कर्तुं ॥ अर्क न उवाच ॥ कनया पुरुव माय, कनया पुरुव स्यात् ॥
 कनया पुरुव क म्बुक, कथं रुव मिष्टा मृत ॥ ११ ॥ युव क न्मस
 कुपापया दान, दाय कर्तुं कुपापया दान रिवा कर्तुं कुपापन
 क म्बुक कर्तुं ॥ थ (थ ध क) अर्क न न ददा ॥ एरु गवान् वीरा ॥ सुर्
 यान् रुव मत्, वस्या गमनं स्वानं रुव ॥ असु दान न कं व क म्बु

हा पा हुन हुन ॥ १२ ॥ न न म न न सुता पात पा का पात उ न्म ल ई
 यि व वा स्या पा क ग म न पा का पा प न रिवा क पि व थ व म न स सु
 द म रु य कं दान विद्या न क म्बुक इ पि व ध कं कुपु से न अ र्क कं द
 ॥ अर्क न उवाच ॥ कन पु न्य ल स ग विद्या क न पु न्य ध ना धि कं ॥
 क न पु न्य ग स ग रा द्य, क थं क स्य क ना द न ॥ विद्या स पि व कु पु
 त्या न ॥ ध ना ध्य पु न्म व रु र्ग ला न या ता प क, थ न या ता प क द स

या नायक शर्न कुयाकाय धनधर्क अरु नन क प्रया कं
का ॥ गोरु गवा नू वाय ॥ पूर्व क नम नरु त विद्या हा मय
धना धिक ॥ वा ना न सो रु व मृ ए सु न हा या न्य न धु ना ॥ पूर्व
रु नम स सा मु का न विद्या पु न न प लि त रु यिव ॥ रु रु या का पु न
न ध ना धा पु न रु यिव वा ना स हा मृ ए रु य रु त सा ना रु रु
यिव धर्क कु पु न अरु न क न ॥ अरु न उ वा य ॥ पी ति हा र्थ रु य

कृष्ण कन पाथ रु व मूर्ख कन पाथ रु व ना वि क थं क स रु ना द
न ॥ १५ ॥ पूर्व रु नम स रु त न य या का पु न न स म रु स न पी ति या पु
अ ति रु र्हा सा न स अ प का पा ना पा प न मूर्ख रु यिव का धि रु र्हा
अ रु न स प द रु यिव मि र्हा रु यिव वा य अ रु रु यिव अ रु न रु
शी रु प्र या क रु रु ल य मा ल मा ल धर्क अरु न न स म रु ला क

या नं उपदशाविया रुवा ॥ वृत्ति शास्त्रार्थ न सम्याद क म विषा
क समाक ४ ॥ ७ ॥ श्री गी क प्र प्रीति वरु ॥ ७ ७ ७ ७ ७ ॥
१ ७ नम ४ गी धर्म नायक ॥ धर्म नाओ वाव ॥ रु ह्यो ग क विषु
ला क वैषुवा नां य विषु अ ज्येष्ठ वा अनवा नी अनियन व काल
यत ॥ धर्म नाओ सत रु म दू ग प नी आरु विर रु ह्य रु व नी
पृथिवी वा वा य ॥ सत रु के लोक (विषु क म क क)

रु कि
विषु रु कि रु कां गिव रु कि रु का ना ल ग मा न विषु म रु
का ॥ गिव रु कि म रु का न न क स त य मा व ध क धर्म नाओ सत
रु म दू ग पति आरु विरो व रु ॥ १ ॥ रु ह्यो वाव ॥ किं व र्ण वैषु व
नां य ज्येष्ठ वा नां क थ य रु । त द ह्य (अनु मी क मी त न्ना व रु ह्य
वैषु व रु ॥ दू ग न धर्म नाओ सत रु (अ व र्ण क ॥ रु ह्यो मी स वैषु व
म विषो अ वैषु व म विषो ग विं ग व रूप आ द श द य की व र्ण म
१ रु ना वा वि द हि पा वि रु का रु प वा न र

दूत नंददा ॥२॥ धर्मनाडी वाच ॥ प्रतिपदा ग्रंथस्य सत्य
वादी सदा नरा ॥ अनी चिराज नंदत्वा इत्यावकु नन सीतय
तप धर्मनाडी सनज मद्रु यति आरु विना ॥ ३॥ इत्यावकु नन सीतय
ने सनं कु सफी नथ वपुत्र सपा के धर्म पायिव रुक पायिव सत्य
ववन सदा दधन नप्रा पु-रुष अनी धि पाक जागा सन्यागी पूजाय
काव शाज न पाव की व ॥ अक्का कुन मिखा न सायं मने व ॥ ३॥ कवि
लाय नय नृखतु ॥ गमय नृखतु पन ॥ तिथं क म्मे रुत जा

या इत्यावकु न सीतय ॥ सिप्रमान हि स्थं न पित साखित
वापि सव क्रिथं क म्मे जा प पा के म्मे मिखा न सायं मने व ॥
॥ ४॥ दानो वती गन्ध की ॥ ५॥ व ॥ सा न गुम सव पूजय विधि
नंद व नृथन इत्यावकु न सीतय ॥ दानिका गन्ध की सपु
न पा दाव गम न गुम सपूजा यक द वे पा म्मे वि वा स रु व क्का मि
स्वान सायं मने व ॥ ५॥ गीता वा द व अ गल तुल गा का
क रु व न ॥ ६॥ रिखत कु कु न द रु इत्यावकु न सीतय ॥

महावाविथिययावथादु तुलगा मात्तानकेखायावथादु
हायवकुयाविदु मनीनसदयकं थादु क्कामिरवानसायम
मनव॥७॥ अग्निहागु गुरुजस्य वेदसाधु पुत्रानपा॥
गिकार्नवदहसन्ध्या दृष्टावकुनमीलया॥ कुरु अग्निहागु
पादाव वेदसाधु पुत्रानपलयाव गिकार्नसन्ध्यायाके
क्कामिरवानसायम मनव॥ ८॥ नवनाज मनूस्मननितथा
गुरुन्धु मादुतं पथगता मसरु मुन दृष्टावकुनेमी

नयन॥ नवनाज सुमनापाद पदपूर्व गलेसुया मूर्ति
पूजायाके सुरुगुना मयदपु क्कामिरवानसायम मनव॥ ९॥
बुडाकगुवनेवन्धु कंथवा मल्लिक ककन गिव केव ध
य॥ कु दृष्टावकुनमीलयगु॥ बुडाकनरु स्यातमसुस्यंग
क्का गनरा कारवावथरुन मादसद्याद नवक्का गिवगिव
यकं पनमसात्रव्यावनपं रुवेक्का मिरवानसायम मनव॥ १०॥

दूताडवाय॥ अथ पर्ववक्रामी धर्मनाकस्य विस्तरं अवे
 श्ववा अनायात्री सीधु तलं कथं शुरु पंडितन धर्मनाकासक
 ६॥ नाप्रयार्तं ॥ हा हा मी सुपापि सुग ॥ ध्यायाम विस्तरतं क
 दा वविष्काय मान कस्य जमदूतन धर्मनाकासक ॥ गव
 नयादा ॥ १० ॥ धर्मनाका वीव ॥ यापि सुं ॥ १२ ॥ नादूत कथय
 मि विस्तरितं अति ए अत्त घातं व आति यंत न का ले पतु ॥

सुहृत् ५

धर्मनाकासुत जमदूतयति का नाहा ॥ १॥ एपापि सुपाखाद
 अति एतमवपासनी न भावकवक्रा ॥ ध्रुवा ह पावन न कस्य
 माला ॥ १॥ ॥ गम ह त्या विपु ह त्या व सुहृत् वा वामक निडा थ आ
 त्स ह त्या व आति यंत न का न यतु ॥ १॥ गम ह त्या व क्र ह त्या वान ह
 त्या दा षत म दन म व त्या क ध्रुवा ह पावन न कस्य मान ॥
 ॥ १२ ॥ आतदादि सुनायेत्वा विषदरुत दा ह क प सुकाति
 म वा प्रा ॥ न आति यंत न का ल यतु ॥ ववृता न ता वे वा साकने

वासुवनायाक कलाग कायं गाला वथा रु ध्वक्का रुया वनन
 कसुगयमात्र ॥ १३ ॥ सुयं दानवु ऊकोत्र यदि रु क रु निवासना
 पवमैधुनं कला आनियं ननु कोत्र यत ॥ थवद रु स कयतया क
 रु निवासना नय नवय वृतात्र म्पि ग स ते या के ध्वक्का
 रुया वनन कसुगयमात्र ॥ १४ ॥ असा न्यं वेद सा मुक्ति अमान्यं द
 वतिथं अमान्यं बुद्ध नवय आनियं तत्र कात्र यत ॥ वद सा मु दव
 नाथं वा फल सा धनं समानं नय ध्वक्का रुया वनन कसुगयमात्र ॥ १५

किं क न उवाच ॥ अस्माकं वलद रु य तद रुं बुद्धि म प्रवु । न रुवा
 अवि कात्र व कृग सा मुनि वा सिता ॥ रु मे दू ग न धर्म ना जा स क रु द
 सा लामि सु अयं निष्ठा वल प्रसा द पु स न रु य मात्र अयं निवास या य गता
 माला धर्म धर्म ना जा सक (गम व न या ता ॥ १६ ॥ धर्म ना जो वा य ॥ मु क
 क र्णं ग धम ना नी वि वा दं क न रु धि य । स सि रु अ म लं क का त
 रु वि ष्णु म दू ग यं ॥ धर्म ना जा स न रु म दू त य नी काना लं रु रु
 रु मि सा रु न रु रु लान रु या व वा रु थं य । कि थं रु स रु वा क थ य रु वा

नन कुयमकावथय ध्वथपसकूपनीसावासपाव ॥ १० ॥ रुम
 हाहाहाउतस मदिनमथनविता गुरुनिधिमनूजानां गुरु
 विमामदतय ॥ काकरुमुसतवथय कुरुगुरुवथय व्यावडमा
 उवाहमसकयाकुरु ध्वथपसकूपनीसनवासपावध ॥ ११ ॥
 मसातसकुरुवथय व्यावडवथय मदिनीबलविद्वितगुरु
 विसामदतय ॥ समानसमदनिमायोकास मनगत्रस ध्वथपसक
 यनीवासपाव ॥ १२ ॥ नीलकुरुमद्यरुगुरुतासावमहासुव रुरुमक
 मधुगत्रहा

यमहासाम गुरुविमामदतय ॥ वीणाकाउतयाधय ध्वकथासकुरुग
 रुवगुथास ध्वथपसकूपनीवासपाव ॥ २० ॥ ददामुमहापुन्यंअप
 मद्यविद्यजित मन्थाकात्रसमनित्यं धर्मवाकसमुरुकं ॥ ध्वसामेस
 मत्रयंयदयामातुन महापुन्यवार्त अकात्रमद्यमनात्रसन्ध्याका
 वसययध धर्मराजासववनसमसुपायंमाक ॥ २१ ॥ अयुगुगुरुग
 पुरुतिधनवनत्रयगा कत्यार्थरुरुक कत्या निशगंवसदासुखी ॥

पुरुषदयापुरुषदयिव, अतसदयाधनदयिव कन्यामदयाकन्याद
 यिव, त्रागाशयसुसात्रसदासुधीशयिव ॥२२॥ यय (थष्टम) ॥
 व, उमगीतासुसुसुसु, यमगीतसुसाहासुसुपुहानीवदसुता ॥
 थ, उमगीतायदयुपुसाया, ददकाया, मारुसुकिवदनाताले, मरि
 नवकायाहिनीव ॥२३॥ ॐ तिगी वं मीताजा, यमदूतसुसादसमा
 य ॥ ७ ॥ ग्राधमनाकाप्रानिनु ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
 ॐ नमो रुठावत वासुदवाय ॥ यद्विष्टिनडवाव ॥ मिद्यस्यासपीति

कोषाययमु, ग्रावसाङ्कोसुहारासिताङ्कोपुन्यात्मानं पुनुरीकाय
 नाङ्को, विष्णुवन्दसर्वको केवनाथ ॥१॥ हिमसुनठवाय ॥ जलोयसग्नाएव
 नावनाधना, विद्यानकाद्याखिलविष्टवसुहिना ॥ समुद्रनायनवनाह
 नूयि नम, समसुयंनु गगवानुपुसायतु ॥२॥ मङ्गलनडवाव ॥ अविन्यम
 यकामतक्तसयून, विरुंयुतुकालनरुतहाविना ॥ त्रिलोकविष्ठा
 न विहावहाविना, रुविंयुवनासिगतिमहास ॥ ३॥ नकुल
 उवावा ॥ यदिगमनम ॥ अस्तुमया ॥ अमनवदा, यदिवकनाविहीनज

नमः यद्वा कीटः किं निहतमपि गच्छात् इति तत्रास्मात् । इति नमः
दिष्टाकलवरुकि लका ॥ ५ ॥ सह दवडगवः ॥ नृपास्तस्य सपना
सनगृहः दिवावरा नीयधिग लुता ॥ ६ ॥ यदुस्ति किं वि नृसु दतं कतं
नयाः ऊजादे नमः नरुत ननु यं तु ॥ ७ ॥ की नृ वायः ॥ सुकर्म र
ल नीदि दृष्टा पांया निवजा मरुतः ॥ तस्मात्तस्या दृष्टी कं ॥ त्वयिरु
कि दृष्टा मुने ॥ ८ ॥ डापयु वायः ॥ नस्यज दू वनाहस्य वि धू नतु
व नतु सः ॥ पु नमंथा वि कूर्ध्व नि त ह्यापीह नमानम ॥ १॥

॥ राडा उवाच ॥ वासुदव स्य य रक्ता ॥ १॥ कास्तु प्रत नमो सा
नस्य दास स्य दा साहं रु वं जम नि ज नम नि ॥ २ ॥ वमो वायः ॥
की नृ वयः की नृ मृ गायः सनी सृ य व न के वि ॥ ३ ॥ वमं वयः न
रु वयि ज दत ॥ इति नाम्ना न रु वतु के ॥ ४ ॥ व लप सा दा ए लु य वर
कि नृ व ना थि रि वा चि नी वा ॥ ५ ॥ अथ सा मा वायः ॥ जल सा न स मा सा
दृ ज मृ द्वा य मा हा सने ॥ ननु त कं वा द न्या वि द्य पा य वि त्स क ॥ ६ ॥
धृ न रं वृ उवाच ॥ ना व दू व तु म दू ॥ ७ ॥ वि ना सा ग न रं ग म । या
कि ३

वत्कमनया ॥ कनस्मनामिजनादन ॥ ११ ॥ विदुः उवाच ॥ आला
कसर्वसास्त्रानि विचार्य ययनयुनः ॥ इदमकं ह्यनीयानं वज्रा
नानाय ॥ १२ ॥ यास उवाच ॥ सत्यं सत्यं ययनस्य सत्यं
वागिदं भाष्यीत ॥ नास्ति वेदात्ययं न भूमिं न दवाकं न यात्य
यं ॥ १३ ॥ श्रीम उवाच ॥ य सर्वदा कृष्णमनुस्मरन्ति कृष्णं
कृष्णं नमस्ति कृष्णं नमस्ति कृष्णं नमस्ति कृष्णं ॥ इति श्रुत्वा
मनुद्वर्गद्वतासनं ॥ १४ ॥ स उवाच ॥ अमानवा विदुः नागय

वायव्यं नानाय ॥ स न युवैस्तर्हं स्मरन्ति ॥ ययनं न
रुतकिं विषयं वेदनास्मात्तु यथा धनं नमस्ति ययनं विवक्ति
॥ १५ ॥ इति उवाच ॥ नृकादणामुपवर्गानि तिरवृत्तं को सर्ववर्गवत्
सुमं दुविमयेयनिति ॥ १६ ॥ नृकादणामुपवर्गानि तिरवृत्तं को सर्ववर्गवत्
सुमं दुविमयेयनिति ॥ १७ ॥ कन उवाच ॥ नृकादिदं ब्रह्म कृतं यनासीद नमस्तु
मध्या नहि जानि तुल्यं दण्डास्तु मध्याय नमस्तु ब्रह्म कृतं ब्रह्म कृतं
न र्वाय ॥ १८ ॥ ययन उवाच ॥ ययनं नमस्तु ब्रह्म कृतं ब्रह्म कृतं

नाथेन जनार्दन नाना नतगतास्तु त्रिलयं सुनात्मं क्रो॥ अविदवस्यवत्
 ननु ली॥ १८॥ सत्य उवाच॥ कृष्ण हृदा ययदयं कजयकिनाकान्द्रो वम
 दिसुतुमानसनाजहं सः प्रानपुपानसमयः करुवानथिक्तं ४ के न्भव
 लाह नविष्मसुसंन कृत्तु ॥ १९॥ इयौ ४ त उवाच॥ निर्व्यग्रीवि
 जयाति त्वं निर्व्यकल्यनमंयलं जवाहृदिष्टारुगवान् मंगल
 पतनाहृती ॥ २०॥ गमः ॥ यो वाच॥ लारुहृषां न्यसुषां कृत्तुषां य
 नाजय यथा मिन्दी वलास्यामा हृदयसि जनादेन ॥ २१॥ हाहृषु उवाच॥

२५

कृष्णकृष्णति कृष्णति, धामां सनक्ति निर्व्यसः ४ जलसि त्वायथयमह
 नकाइदुना सारु ॥ २२॥ नुं देयविनुमायु र्वा, यून्य पाययन्ना सन इ
 स्युना सनमोते या लुवैयलिका किं तं ॥ २३॥ यय ८० अत वल्लाय ८
 विस्तुतुनमानसं ॥ गवासनसहसुस्य, सस्यदलस्य य लु ॥ २४॥ न
 लुलंसमवाप्नाति, यः य ८० दिति ससु वै सर्व पायय मयान विष्णुला
 कस गवुति ॥ २५॥ नुति या उवगीता सारुसमा फ ॥ २६॥ ॥
 ॥ २७॥ नम रुहा वल्य ॥ मरुजहीदि अनागमह र्वा कृत्तुनि

जदुमनसि विहस्यो जल्लरुस निऊ कामो यत्नं विहंत न वि
नादय विहं ॥ ॥ अर्थमनर्थ सोवयनित्यं नामि नत ४ सुखलं ४
यमल्यं यगदयि अत्र राजा राणी ४ सुवर्त यो विहो जानाय कि ॥ २ ॥
यावदुद्या याज नसकं स्मावनिऊ यनि वागानकं ४ तदनयजल
याजुं लेदहं वाता कायिन पृच्छु निगहं ॥ ३ ॥ कातवका ना कसं य
कु ससा वा यमती ववि विगु ४ कस्य त्वं कः कून आयात स्तु तं विनय
नदिद कुत ॥ ४ ॥ ननी निद लगान जल वरु लन नदो जीवित

मनिसयवयलं विदि व्याख्या हिमानुग्रहं नागं ८७४ कं रुतुवस
मसं ॥ ॥ साकृत् ज न ध नजी वनग व रुत नि नि स वा कालं सर्व सा
या स य मि द मरि ठ ल हि त्वा विष्णु यद त्वं पु वि स वि हि त्वा ॥ ५ ॥ नागी रु
न रु न ना हि द हं द ह्या मा य म मा हो व णा ॥ ६ ॥ तत्ता सु न सा दि वि का रं म
न सि वि वि त्त य वा रं वा रं ॥ ७ ॥ सु न म ति ल न म मू ल नि वा स ४ ग यो रु
त न म डि ने वा स ४ सर्व य नि गृ ह रो ठां त्या ग क स्य सु र व न क ना नि वि
वा ग ४ ॥ ८ ॥ कातवका ना ध न द ८७५ यि का डु डु न वा तु ल न व

नि॥ चिन्ता । वि० गति सङ्गम संवा मि लु का ॥ रुवति रुवा ले व न न न
 लोको ॥ २॥ काम का व लारु मा ह ॥ त्य काम न य न्म ति सा ह ॥
 आत्म ह न वि हि ना म् रु दा ॥ य य क न न क नि वा दा ॥ १॥ दि तु य मि
 नो सा यै या न ॥ सि हि न व स न क य न ना या र ॥ का ल क्री द ति ग रू त्या
 ग ॥ सु द पि न म् रु त्या सा वा य ॥ ११ ॥ त वि स पि दा त्प मे का वि षू
 य र्थ क य सि म यै स हि दू ॥ रु व स म वि रुं स र्व न त्वा कू मि य द्वा दि
 सु य द त् ॥ १२ ॥ क नू त र्ग म् सा ग न ठा म न ॥ दु त य नि या ल य म थ वा

दानं । दान वि हि न स र्वे स न न ॥ मु कि न्नु रु व ति रु न ग न न ॥ १३ ॥
 द्वा द श यै ष्टु ठि का न ॥ १४ ॥ वि ष्वा नां क पि ना सु य द ॥ त्र वा न
 व क वा कि वि व क ॥ त य न न न क म ॥ १५ ॥ क ति र्ग कि ना या य
 वि न्द्र पि न मा रु स र्ग ल स मा य ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ न मी स रु या य द वा
 य ॥ के ला ग म् रु न ॥ १८ ॥ सु रु मि क स वि रुं न मा ग न वि हि त रु
 रु ना म् रु वि वा कि न ॥ स द्वा थ स र्ग य ॥ १९ ॥ स र्व द्वा न रु ना न य रु ना र्ग
 लि य रु रु ला ॥ सु रु ति न स द्वा नि र्ग ॥ य प्र रु प्र न ना व रु को जा न
 रु रु

[illegible]

नाथ सुप्रसन्नः ॐ यनमा मुनिः । दहिन जीवरुता । जीवा जी
 वसु कान न जगता न क क सुहि । मृत्यु ॐ यनमा मुनिः ॥ हिर्म
 दि निरुता सो स सु ॥ विचिन्म नाहना य नु नौ क क गोराम ॥
 मृत्यु ॐ यनमा मुनिः ॥ ना गहान म हा या क सुव दाने क का न ल य
 निगुता सिता कानां मृत्यु ॐ यनमा मुनिः ॥ नि ह ता य व कान ल स
 द सुप्रमा नखा । न नु द्या य म स ॥ यैव सिद्धि विद्या य गारु थ ॥
 साधु य व गानु द्या रु थ ॥ नि सुता व री ॥ म म नु ना न्य दि व ॥

可